अमित को आंखें मूंदे सुनें तो नदी किनारे गाता फकीर नज़र आता है

आईआईटी इंदौर में परफॉर्म करते सिंगर-कम्पोजर अमित त्रिवेदी

अमित त्रिवेदी की पुरसुकून गायकी से खत्म हुआ आईआईटी का फ्लैगशिप इवेंट फ्लक्सस

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंदौर का फ्लैगशिप इवेंट अमित त्रिवेदी की प्रोनाइट के साथ खत्म हुआ। अपने बैंड के साथ अमित ने परफॉर्मेंस दी। अमित की धुनों ही नहीं उनकी गायकी पर भी फोक का असर नज़र आता है। आंखें मूंदे उन्हें सुनें तो कहीं किसी नदी किनारे बैठे किसी औलिया की तस्वीर उभरती है। अपनी धुन में मस्त, अपने खांटी अंदाज़ में गाए जा रहा है। अमित त्रिवेदी का गाना कुछ ऐसा ही है। उनकी धुनों से फोक की खुशबू आती है। गांवों की मिट्टी महकती है। रविवार शाम उन्होंने आईआईटी इंदौर में परफॉर्म किया। बायपास स्थित एक गार्डन में उनके साथ दिव्य कुमार, जॉनिता गांधी और सीक्रेट सुपरस्टार फेम मेघना मिश्रा सहित छह आर्टिस्ट और थे।

गीत की बारी जिसकी फरमाइश ऑडिएंस शुरू से कर रही थी। गूंजा सा है कोई इकतारा... लेकिन शुरू से आखिर तक से पूरा गीत ऑडिएंस ने गाया। अमित सहित सारे सिंगर्स चुपचाप खड़े थे। उड़ता पंजाब और अग्निपथ का अभी मुझमें कहीं... कई इम्प्रोवाइजेशंस के साथ गाया। फ्लक्सस के तीन दिनों में 100 से ज्यादा टेक्निकल और कल्चरल कॉम्पीटिशंस हुईं। देशभर के टेक्नीकल इंस्टिट्यूट के करीब 20 हज़ार स्टूडेंट्स ने तीन दिनों तक चले इवेंट में शामिल हुए।

Dainik Bhaskar (Indore), 19th February 2019, City Bhaskar, Page-15